



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 21 जून, 2022

एननम एड्युथम योजना

हाल ही में तमलिनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालनि ने राज्य में “एननम एड्युथम योजना” को लॉन्च किया गया है। यह योजना COVID-19 महामारी के परिणामस्वरूप 8 वर्ष से कम आयु के छात्रों के बीच अधिगम के अंतर को कम करने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य वर्ष 2025 तक मूलभूत संख्यात्मकता (foundational numeracy) और साक्षरता (literacy) सुनिश्चित करना है। एननम एड्युथम योजना के तहत, शिक्षा विभाग सीखने के बीच के अंतर का आकलन करने और उसे समाप्त के लिये कक्षा 1 से 3 तक के छात्रों को कार्यपुस्तिका वितरित करेगा। इस परियोजना को लॉन्च से पहले शिक्षकों के लिये एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर उनके मध्य हैंडबुक वितरित की गई थी। उन्हें सलाह दी गई थी कि वे इंटरएक्टिव लर्निंग मेथड का चुनाव करें और छात्रों को स्कूल लाइब्रेरी में कतिबे एवं अखबार पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करें। इस पहल के तहत बच्चों को तीन वर्षों तक, तमिल, अंग्रेजी और गणित में प्रशिक्षित किया जाएगा।

वशिव संगीत दविस

प्रत्येक वर्ष 21 जून को 'वशिव संगीत दविस' का आयोजन किया जाता है। इस दविस के आयोजन का मुख्य उद्देश्य संगीत के माध्यम से शांति और सद्भावना को बढ़ावा देना है। इस दविस के आयोजन की कल्पना सर्वप्रथम वर्ष 1981 में फ्रांस के तत्कालीन संस्कृति मंत्री द्वारा की गई थी। 'वशिव संगीत दविस' की शुरुआत में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले फ्रांस के तत्कालीन संस्कृति मंत्री मोरिस फ्लेरेट स्वयं एक प्रसिद्ध संगीतकार, पत्रकार और रेडियो नर्माता थे। इस दविस के अवसर पर भारत समेत वशिव के तमाम देशों में जगह-जगह संगीत प्रतियोगिताओं और संगीत कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। वर्तमान समय में संगीत एक ऐसा सशक्त माध्यम बन गया है, जिसका प्रयोग वैज्ञानिकों द्वारा व्यक्तियों को मानसिक रोगों व व्याधियों से मुक्ति प्रदान करने के लिये भी किया जा रहा है। कई अध्ययनों और विशेषज्ञों के मुताबिक, संगीत तनाव को कम करने और बेहतर नींद प्रदान करने में भी मददगार साबित हो सकता है। ध्यातव्य है कि एक कॅरियर के रूप में भी संगीत का क्षेत्र असीम संभावनाओं से भरा हुआ है और मौजूदा समय में युवा वर्ग संगीत को अपना रहे हैं।

‘जूनटीथ’ फेस्टिवल

19 जून को अमेरिका में ‘जूनटीथ’ फेस्टिवल मनाया गया, यह अमेरिकी नागरिक युद्ध (1861-65) के बाद दासता के अंत की याद में संघीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय अवकाश है। ‘जूनटीथ’ अमेरिका में दासता के अंत के अंत को चिह्नित करने संबंधी सबसे पुराना राष्ट्रीय स्मरणोत्सव है, जिसे प्रत्येक वर्ष 19 जून को आयोजित किया जाता है। वर्तमान में इसे 47 अमेरिकी राज्यों द्वारा अवकाश के रूप में मान्यता प्राप्त है। इसे मुक्ति दविस या जूनटीथ स्वतंत्रता दविस के रूप में भी जाना जाता है। ज्ञात हो कि 1 जनवरी, 1863 को तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने मुक्ति उद्घोषणा जारी की थी, जिसमें घोषणा की गई कि विद्रोह के दौरान राज्यों के भीतर ‘गुलाम के रूप में रखे गए सभी व्यक्ति अब स्वतंत्र होंगे। हालाँकि इस घोषणा के बाद भी कई लोगों ने दासों को रखना जारी रखा। इसके पश्चात् 19 जून, 1865 को मेजर जनरल गार्डन ग्रेंजर गैल्वेस्टन ने गृहयुद्ध और दासता दोनों के अंत की घोषणा कर दी। तब से यह अफ्रीकी-अमेरिकियों के लिये स्वतंत्रता का प्रतिनिधित्व करने वाली एक प्रतीकात्मक तिथि बन गई है।

अंतरराष्ट्रीय योग दविस

प्रत्येक वर्ष 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दविस के रूप में मनाया जाता है, इसका उद्देश्य योग के लाभ के बारे में जागरूकता फैलाना है और लोगों को अपने स्वास्थ्य के परत सचेत करना है। वशिव स्तर पर सर्वप्रथम वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय योग दविस का आयोजन किया गया था। 11 दिसंबर 2014 को ‘संयुक्त राष्ट्र महासभा’ के 69वें सत्र के दौरान एक प्रस्ताव पारित करके 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दविस/वशिव योग दविस के रूप में मनाए जाने के लिये मान्यता दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र को संबोधित करते हुए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वशिव में योग को पहचान दिलाने एवं योग की महत्ता से वशिव को अवगत कराते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र में वशिव योग दविस घोषित किये जाने से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। 8वां अंतरराष्ट्रीय योग दविस 2022 “मानवता के लिये योग” (Yoga For Humanity) थीम पर आधारित है।

